Downloaded from www.studiestoday.com

विषय पांच

यात्रियों के नज़रिए-समाज के बारे में उनकी समझ

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

स्मरणीय बिन्दु-

1. उपमहाद्वीप में तीन महत्वपूर्ण यात्रियों के वृत्तांत मिलते हैं-अल-बिरूनी (ग्यारहवीं शताब्दी) जो उज़्बेकिस्तान से इब्न बतूता (चौदहवीं शताब्दी) जो मोरक्को से तथा फ्रांस्वा बर्नियर (सत्रहवीं शताब्दी) जो फ्रांस से भारत आये।

2. यात्रियों के आने के कारण-कार्य की तलाश में, प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए, व्यापारियों, सैनिकों, पुरोहितों और तीर्थयात्रियों के रूप में या फिर साहस की भावना से प्रेरित होकर लोगों ने यात्राएँ की।

3. अल-बिरूनी का जन्म-आधुनिक उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में सन् 973 में हुआ था। वह कई भाषाओं का ज्ञाता था, जिसमें- सीरियाई, फारसी, हिब्रू और संस्कृत शामिल है। वह यूनानी भाषा का जानकार नहीं था।

4. अल-बिरूनी की कृति **किताब-उल-हिन्द** अरबी भाषा में लिखी गई। यह एक विस्तृत ग्रंथ है- जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया, रीति-रिवाजों तथा प्रथाओं, सामाजिक जीवन, भार-तौल तथा मापन विधियों, मूर्तिकला, कानून, मापतंत्र विज्ञान आदि विषयों के आधार पर 80 अध्यायों में है।

5. **रिह्ला**-इब्न बतूता द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया यात्रा वृत्तांत है।

6. इब्न बतूता का जन्म तैंजियर में हुआ तथा यह मोरक्को का यात्री था।

7. 1332-33 में भारत के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इब्न-बतूता मक्का की तीर्थ यात्राएँ और सीरिया, इराक, फारस, यमन, ओमान तथा पूर्वी अफ्रीका के कई तटीय व्यापारिक बंदरगाहों की यात्राएँ कर चुका था।

8. इब्न बतूता के विवरण के अनुसार उस काल में सुरक्षा व्यवस्था समुचित (सुरक्षित) नहीं थी

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

सुरक्षा की दृष्टि से वह अपने साथियों के साथ कारवाँ में चलना पसंद करता था।

9. फ्रांस्वा बर्नियर फ्रांस का रहने वाला चिकित्सक, राजनीतिज्ञ, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था।

10. इब्न-बतूता ने नारियल और पान, दो वानस्पतिक उपज, दिल्ली एवं दौलताबाद शहर, तथा मध्यकालीन भारतीय डाक व्यवस्था का विवरण विस्तार, से **रिह्ला** में दिया है।

11. 1656 से 1668 तक फ्रांस्वा बर्नियर 12 वर्ष भारत में रहा और मुग़ल दरबार से नजदीकी से जुड़ा था।

12. फ्रांस्वा बर्नियर के विवरणों की विशेषता- जो वह भारत में देखता था उसकी तुलना यूरोपीय स्थिति से करता था।

13. बर्नियर के ग्रंथ **'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर'** अपने गहन प्रेक्षण, आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि तथा गहन चिंतन के लिए उल्लेखनीय है।

14. बर्नियर का मत था कि भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था। मुगल साम्राज्य में सम्राट सारी भूमि का स्वामी होता था।

15. बर्नियर अत्यधिक यकीन से कहता है कि, "भारत में मध्य स्थिति के लोग नही हैं।"

16. अल बिरूनी को भारत में तीन अवरोधों को सामान्य करना पड़ा - भाषा, धार्मिक अवस्था और प्रथा में भिन्नता तीसरा अभिमान।

17. "हिन्दू" शब्द लगभग छठी-पाँचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में प्रयुक्त होने वाले उस प्राचीन फारसी शब्द, जिसका प्रयोग सिंधु नदी के पूर्व के क्षेत्र के लिए होता था, से निकला था।

18. अल-बिरूनी द्वारा वर्ण व्यवस्था का उल्लेख चार वर्णों में किया गया- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

1. फ्रांस्वा बर्नियर कौन था? वह भारत कब और क्यों आया?

2. अल-बिरूनी द्वारा लिखित पुस्तक का नाम बताइए। यह किस भाषा में लिखी गई?

3. रिह्ला से क्या अभिप्राय है? इसके लेखक का नाम बताइये।

4. इब्न बतूता के अनुसार यात्रा करना अधिक असुरक्षित क्यों था? स्पष्ट कीजिए।

5. अबुल फ़ज़्ल भूमि राजस्व के विषय में क्या कहता है?

6. प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत से क्या अभिप्राय है?

7. बर्नियर द्वारा लिखित पुस्तक का नाम लिखिए। सती प्रथा के बारे में उसने क्या लिखा था?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

लघु उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. अल-बिरूनी कौन था? उसकी भारत के प्रति रुचि कैसे विकसित हुई? स्पष्ट कीजिए।
2. इब्न बतूता ने अपने वृत्तान्त में भारतीय शहर की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
3. इब्न बतूता के विवरणों के आधार पर तत्कालीन संचार की अनूठी प्रणाली की व्याख्या कीजिए।
4. बर्नियर के कथन 'भारत में मध्य स्थिति के लोग नहीं हैं'' की व्याख्या कीजिए।
5. अबुल फ़ज़्ल ने भूमि राजस्व को 'राजत्व का पारिश्रमिक' क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।
6. अल-बिरूनी ने अपनी कृतियों में किस शैली का प्रयोग किया? स्पष्ट कीजिए।
7. अल-बिरूनी को अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

दीर्घ प्रश्न (10 अंक)

1. बर्नियर तथा इब्न बतूता के विवरणों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।
2. अल-बिरूनी ने अपने विवरण में किस प्रकार भारतीय जाति व्यवस्था के नियमों को अस्वीकार किया? विवेचना कीजिए।
3. क्या आप बर्नियर के इस कथन से सहमत हैं कि ''निजी भूस्वामित्व का अभाव राज्य और उसके निवासियों के लिए हानिकारक है।'' अपने उत्तर की पुष्टि के लिए तर्क दीजिए।
4. बर्नियर के विवरण से आप भारतीय देहात की किस तरह की झलक देखते हैं? इसकी तुलना समकालीन भारतीय स्रोतों से कीजिए।
5. समकालीन शहरी केन्द्रों में जीवन-शैली की सही जानकारी प्राप्त करने में इब्न-बतूता का वृत्तान्त कितना सहायक है? उपयुक्त उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।

घोड़े पर और पैदल

डाक व्यवस्था का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है:

भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था है। अश्व डाक व्यवस्था जिसे उलुक कहा जाता है, हर चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा चालित होती है। पैदल डाक व्यवस्था के प्रति मील तीन अवस्थान होते है, इसे दावा कहा जाता है, और यह एक मील का एक-तिहाई होता है. .. अब, हर तीन मील पर घनी आबादी वाला एक गाँव होता है जिसके बाहर तीन मंडप होते हैं। जिनमें लोग कार्य आरंभ के लिए तैयार बैठे रहते हैं। उनमें से प्रत्येक के पास दो हाथ लंबी एक छड़ होती है जिसके ऊपर तांबे की घंटियाँ लगी होती हैं। जब संदेशवाहक शहर से यात्रा आरंभ करता है तो एक हाथ में पत्र तथा दूसरे में घंटियों सहित छड़ लिए वह क्षमतानुसार तेज भागता है। जब मंडप में

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

बैठे लोग घंटियों की आवाज सुनते हैं तो वे तैयार हो जाते हैं। जैसे ही संदेशवाहक उनके पास पहुंचता है, उनमें से एक उससे पत्र लेता है और वह छड़ हिलाते हुए पूरी ताकत से दौड़ता है, जब तक वह अगले दावा तक नहीं पहुंच जाता। पत्र के अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने की प्रक्रिया चलती रहती है। यह पैदल डाक व्यवस्था से अधिक-तीव्र होती है, और इसका प्रयोग अकसर खुरासान के फलों के परिवहन के लिए होता हे, जिन्हें भारत में बहुत पसंद किया जाता है।

1. 'उलुक' और 'दावा' किसे कहा जाता था? 2
2. उपरोक्त विवरण के आधार पर डाक पहुँचाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 4
3. पैदल डाक व्यवस्था को भारत में बहुत पसंद क्यों किया जाता था? स्पष्ट कीजिए। 2

वर्ण व्यवस्था

अल-बिरूनी वर्ण व्यवस्था का इस प्रकार उल्लेख करता है:

सबसे ऊंची जाति ब्राह्मणों की है जिनके विषय में हिन्दुओं के ग्रंथ हमें बताते हैं कि वे ब्रह्मा के सिर से उत्पन्न हुए थे और क्योंकि ब्रह्म, प्रकृति नामक शक्ति का ही दूसरा नाम है, और सिर... शरीर का सबसे ऊपरी भाग है, इसलिए ब्राह्मण पूरी प्रजाति के सबसे चुनिंदा भाग हैं। इसी कारण से हिंदू उन्हें मानव जाति में सबसे उत्तम मानते हैं।

अगली जाति क्षत्रियों की है जिनका सृजन, ऐसा कहा जाता है, ब्रह्मा के कंधों और हाथों से हुआ था। उनका दर्जा ब्राह्मणों से अधिक नीचे नहीं है।

उनके पश्चात् वैश्य आते हैं जिनका उद्भव ब्रह्मा की जंघाओं से हुआ था।

शूद्र, जिनका सृजन उनके चरणों से हुआ था।

अंतिम दो वर्गों के बीच अधिक अंतर नहीं है। लेकिन इन वर्गों के बीच भिन्नता होने पर भी ये एक साथ एक ही शहरों और गांवों में रहते हैं, समान घरों और आवासों में मिल-जुल कर।

1. अल-बिरूनी द्वारा वर्णित वर्ण व्यवस्था का वर्णन कीजिए। 2
2. हिन्दू सबसे ऊँची जाति किसे मानते थे और क्यों? 2
3. भारतीय समाज की उन्नति में वर्ण व्यवस्था किस प्रकार बाधक साबित होती है? स्पष्ट कीजिए। 2
4. अल-बिरूनी में अपवित्रता की मान्यता को अस्वीकार क्यों किया? 2

सती बालिका

यह संभवत: बर्नियर के वृतांत के सबसे मार्मिक विवरणों में से एक है:

लाहौर में मैंने एक बहुत ही सुंदर अल्पवयस्क विधवा जिसकी आयु मेरे विचार से बारह वर्ष

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

से अधिक नहीं थी, की बलि होते हुए देखी। उस भयानक नर्क की ओर जाते हुए वह असहाय छोटी बच्ची जीवित से अधिक मृत प्रतीत हो रही थी; उसके मस्तिष्क की व्यथा का वर्णन नहीं किया जा सकता, वह काँपते हुए बुरी तरह से रो रही थी; लेकिन तीन या चार ब्राह्मण, एक बूढ़ी औरत, जिसने उसे अपनी आस्तीन के नीचे दबाया हुआ था, की सहायता से उस अनिच्छुक पीड़िता को जबरन घातक स्थल की ओर ले गए। उसे लकड़ियों पर बैठाया, उसके हाथ और पैर बाँध दिए ताकि वह भाग न जाए और इस स्थिति में उस मासूम प्राणी को जिन्दा जला दिया गया। मैं अपनी भावनाओं को दबाने में और उनके कोलाहलपूर्ण तथा व्यर्थ के क्रोध को बाहर आने से रोकने में असमर्थ था...

1. बर्नियर का वृतांत किस कुप्रथा की व्याख्या करता है? 2
2. तत्कालीन भारतीय समाज में स्त्री की दशा का वर्णन कीजिए। 4
3. बर्नियर अपने क्रोध को रोकने में असमर्थ क्यों था? स्पष्ट कीजिए। 2

देहली

दिल्ली, जिसे तत्कालीन ग्रंथों में अक्सर देहली नाम से उद्धृत किया गया था, का वर्णन इब्न बतूता इस प्रकार करता है:

दिल्ली बड़े क्षेत्र में फैली घनी जनसंख्या वाला शहर है... शहर में चारों ओर बनी प्राचीर अतुलनीय है, दीवार की चौड़ाई ग्यारह हाथ (एक हाथ लगभग 20 इंच के बराबर) है; और इसके भीतर रात्रि के पहरेदार तथा द्वारपालों के कक्ष है। प्राचीरों के अंदर खाद्य सामग्री, हथियार, बारूद, प्रक्षेपास्त्र तथा घेरेबंदी में काम आने वाली मशीनों के संग्रह के लिए भंडारगृह बने हुए थे... प्राचीर में भीतरी भाग में घुड़सवार तथा पैदल सैनिक शहर के एक से दूसरे छोर तक आते-जाते हैं। प्राचीर में खिड़कियाँ बनी हैं जो शहर की ओर खुलती हैं और इन्हीं खिड़कियों के माध्यम से प्रकाश अंदर आता है। प्राचीर का निचला भाग पत्थर से बना है जबकि ऊपरी भाग ईंटों से। इसमें एक दूसरे के आस-पास बनी कई मीनारें हैं। इस शहर के अट्ठाईस द्वार हैं जिन्हें दरवाजा कहा जाता है, और इनमें से बदायूँ दरवाजा सबसे विशाल है; मांडवी दरवाजे के भीतर एक अनाज मंडी है; गुल दरवाजे की बगल में एक फल का बगीचा है... इस (देहली शहर) में एक बेहतरीन कब्रगाह है जिसमें बनी कब्रों के ऊपर गुंबद बनाई गई है जिन कब्रों पर गुबंद नहीं उनमें निश्चित रूप से मेहराब है। कब्रगाह में केदार चमेली तथा जंगली गुलाब जैसे फूल उगाए जाते हैं और फूल सभी मौसम में खिले रहते हैं।

1. दिल्ली को तत्कालीन ग्रंथों में किस नाम से उद्धृत किया गया तथा इसका वर्णन किसके द्वारा किया गया? 2
2. इब्न बतूता द्वारा दिल्ली शहर का विवरण किस प्रकार किया गया? 2
3. दिल्ली शहर की सुरक्षा का वर्णन इब्न बतूता ने किस प्रकार किया? स्पष्ट कीजिए। 2
4. दिल्ली शहर में कुल कितने द्वार थे? इनमें से दो प्रमुख द्वार बताइए। 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

गरीब किसान

यहाँ बर्नियर द्वारा ग्रामीण अंचल में कृषकों के विषय में दिए गए विवरण से एक उद्धरण दिया जा रहा है:

हिन्दुस्तान के साम्राज्य के विशाल ग्रामीण अंचलों में से कई केवल रेतीली भूमियाँ या बंजर पर्वत ही हैं। यहाँ की खेती अच्छी नहीं है और इन इलाकों की आबादी भी कम है। यहाँ तक कि कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा हिस्सा भी श्रमिकों के अभाव में कृषि विहीन रह जाता है; इनमें से कई श्रमिक गवर्नरों द्वारा किए गए बुरे व्यवहार के फलस्वरूप मर जाते हैं। गरीब लोग जब अपने लोभी स्वामियों की मांग को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं तो उन्हें न केवल जीवन-निर्वहन के साधनों से वंचित कर दिया जाता है बल्कि उन्हें अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता है, जिन्हें दास बना कर ले जाया जाता है। इस प्रकार ऐसा होता है कि इस अत्यंत निरंकुशता से हताश हो किसान गाँव छोड़कर चले जाते हैं।

इस उद्धरण में बर्नियर राज्य और समाज से संबंधित यूरोप में प्रचलित तत्कालिक विवादों में भाग ले रहा था, और उसका प्रयास था कि मुगल कालीन भारत से संबंधित उसका विवरण यूरोप में उन लोगों के लिए एक चेतावनी का कार्य करेगी जो निजी स्वामित्व की ''अच्छाइयों'' को स्वीकार नहीं करते थे।

1. बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता था? स्पष्ट कीजिए। 2
2. किसान गाँव छोड़कर क्यों चले जाते थे दो? कारण लिखिए। 2
3. ग्रामीण अंचलों में बंजर पर्वत इलाकों में आबादी कम होने के क्या कारण थे? 2
4. बर्नियर ने यूरोपीय लोगों को क्या चेतावनी दी? 2

बाज़ार में संगीत

यहाँ इब्न बतूता द्वारा दौलताबाद के विवरण से एक अंश दिया जा रहा है:

दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाज़ार है जिसे ताराबबाद कहते हैं। यह सबसे विशाल और सुंदर बाज़ारों में से एक है। यहाँ बहुत सी दुकानें हैं और प्रत्येक दुकान में एक ऐसा दरवाजा है जो मालिक के आवास में खुलता है... दुकान को कालीनों से सजाया गया है और दुकान के मध्य में झूला है जिस पर गायिका बैठती है। वह सभी प्रकार की भव्य वस्तुओं से सजी होती है और उसकी सेविकाएँ उसे झूला झुलाती हैं। बाजार के मध्य में एक विशाल गुंबद खड़ा है जिसमें कालीन बिछाए गए हैं और सजाया गया है इसमें प्रत्येक गुरुवार सुबह की इबादत के बाद संगीतकारों के प्रमुख, अपने सेवकों और दोस्तों के साथ स्थान ग्रहण करते हैं। गायिकाएँ एक के बाद एक झुंडों में उनके समक्ष आकर गीत गाती और नाचती हैं जिसके पश्चात् वे चले जाते हैं। इस बाजार में इबादत के लिए मस्जिदें बनी हुई हैं... हिंदू शासकों में से एक... जब भी बाजार से गुजरता था,

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

गुंबद में उतर कर आता था और गायिकाएँ उसके समक्ष गान प्रस्तुत करती थी। यहाँ तक कि कई मुस्लिम शासक भी ऐसा ही करते थे।

1. इब्न बतूता द्वारा वर्णित भारतीय शहरों की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 2

2. इब्न बतूता किन दो वानस्पतिक उपज का वर्णन करता है? 2

3. दौलताबाद के बाज़ारों की कोई तीन विशेषताएँ बताइए। 3

4. दौलताबाद के सबसे सुंदर व विशाल बाज़ारों में से किसी एक का नाम बताइए। 1

घोसलें से निकलता पक्षी

यह रिह्ला से लिया गया एक उद्धरण है :

अपने जन्म स्थान तैंजियर से मेरा प्रस्थान गुरूवार को हुआ यह रिह्ला से लिया गया एक उदाहरण है। घोसलें से निकलता पक्षी यह रिह्ला मैं अकेला ही निकल पड़ा, बिना किसी साथी यात्री या कारवां के जिसकी टोली में मैं शामिल हो सकूँ, लेकिन अपने अंदर एक अधिप्रभावी आवेग और इन प्रसिद्ध पुण्य स्थानों को देखने की इच्छा जो लंबे समय से मेरे अंत:करण में थी से प्रभावित होकर। इसलिए मैंने अपने प्रियजनों को छोड़ जाने के निश्चय को दृढ़ किया और अपने घर को ऐसे ही छोड़ दिया जैसे पक्षी अपने घोसलें को छोड़ देते है... उस समय मेरी उम्र बाईस वर्ष थी।

इब्न बतूता 1354 में घर वापस पहुँचा अपनी यात्रा आरंभ करने के लगभग तीस वर्ष बाद।

1. प्रस्तुत स्त्रोत कहाँ से लिया गया है एवं इसका लेखक कौन है? 2

2. लेखक का जन्म स्थान कहाँ था एवं उसने किस दिन वहाँ से प्रस्थान किया? 2

3. भारत आने से पूर्व लेखक ने किन-किन स्थानों की यात्रा की थी? 2

4. लेखक ने अपना घर क्यो छोड़ा? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय छः

भक्ति-सूफ़ी परंपराएँ
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

स्मरणीय बिन्दु-

1. इस काल में दो प्रक्रियाएँ कार्यरत थीं-ब्राह्मणीय विचारधारा के प्रचार की, अन्य प्रक्रिया स्त्री शूद्रों व अन्य सामाजिक वर्गों की आस्थाओं और आचरणों को ब्राह्मणों द्वारा स्वीकृत किया जाना और उसे एक नया रूप प्रदान करना।

   संभवतः इस काल में साहित्य और मूर्तिकला दोनों में ही देवी-देवता अधिकाधिक दृष्टिगत होते हैं।

   समाजशास्त्रियों का यह मानना है कि समूचे उपमहाद्वीप में अनेक धार्मिक विचारधाराएँ और पद्धतियाँ "महान" संस्कृत-पौराणिक परिपाटी तथा "लघु" परंपरा के बीच हुए अविरल संवाद का परिणाम हैं।

2. धर्म के इतिहासकार भक्ति परंपरा को दो मुख्य वर्गों में बाँटते हैं।

   - सगुण- इसमें शिव, विष्णु तथा उसके अवतार व देवियों की आराधना आती है।
   - निर्गुण- भक्ति परंपरा में अमूर्त, निराकार ईश्वर की उपासना की जाती थी।

3. भक्ति आंदोलन का प्रमुख उद्देश्य असमानता, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और छोटे-बड़े की भावना को समाप्त कराना।

4. छठी शताब्दी में- भक्ति आंदोलन अलवारों (जो विष्णु के भक्त थे) और नयनारों (शिव भक्त) के नेतृत्व में हुआ। यह अधिकतर तमिलनाडु में फैला।

5. अलवार संतों का एक मुख्य काव्य- संकलन नलयिरादिव्यप्रबंधम् था।

6. दक्षिण भारत की अलवार स्त्री भक्त अंडाल थी जिन्हें दक्षिण भारत की मीरा कहा जाता है। नयनार स्त्री भक्त करइक्काल अम्मइयार थी।

7. अलवार एवं नयनार संतों ने जाति प्रथा व ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज उठाई।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. चोल सम्राटों की मदद से - चिदम्बरम, तंजावुर और गंगैकोड्चोलपुरम के विशाल शिव मंदिरों का निर्माण हुआ।

9. कर्नाटक में बासवन्ना (1106-68) ने वीरशैव या लिगांयत परंपरा की शुरूआत की। लिंगायतों ने जाति की अवधारणा का विरोध किया। लिंगायतों ने वयस्क विवाह, विधवा पुनर्विवाह को मान्यता दी।

10. तुर्क और अफगानों ने लगभग तेरहवीं शताब्दी ईसवी में दिल्ली सल्तनत की नींव रखी।

11. ज़िम्मी- (व्युत्पत्ति अरबी शब्द जिम्मा से है)। जिसका अर्थ है संरक्षित श्रेणी। इस काल में शासक शासितों के प्रति काफी लचीली नीति अपनाते थे।

12. चिश्ती संतों की दरगाहों में सबसे अधिक पूजनीय दरगाह-ख़्वाजा मुइनुद्दीन की है- जिन्हें गरीब नवाज' कहा जाता है। उनकी दरगाह अजमेर में है।

13. **सिलसिला**- इसका शाब्दिक अर्थ है- ज़ंजीर जो शेख और मुरीद के बीच एक निरंतर रिश्ते की प्रतीक है।

14. **दरगाह**- यह फरसी शब्द है जिसका अर्थ है- दरबार।

15. **उर्स**- विवाह जिसका अभिप्राय है- पीर की आत्मा का ईश्वर से मिलन।

16. **बे-शरिया**- वे लोग जो शरिया या इस्लामी नियमों की अवहेलना करते हैं।

17. **बा-शरिया**- वे लोग जो शरिया या इस्लामी नियमों को मानने वाले थे।

18. **खानकाह**- सामाजिक जीवन का केन्द्र बिंदु था।

19. **वली (बहुवचन औलिया)**- इसका अर्थ है ईश्वर का मित्र वह सूफ़ी जो अल्लाह के नजदीक होने का दावा करता था और उनसे हासिल बरकत से करामात करने की शक्ति रखता था।

20. **अमीर खुसरो (1253-1323)** - शेख निज़ामुद्दीन औलिया के अनुयायी थे। वे एक महान कवि तथा संगीतज्ञ थे। उन्होंने **कौल** (अरबी शब्द जिसका अर्थ है कहावत) का प्रचलन किया।

21. चिश्ती उपासना में ज़ियारत (पवित्र दरगाह की तीर्थ यात्रा) और कव्वाली का विशेष महत्व था। इस मौके पर सूफ़ी संत के आध्यात्मिक आशीर्वाद अर्थात् बरकत की कामना की जाती थी।

22. **बाबा गुरू नानक (1469-1539)** - उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया तथा धर्म के सभी आडम्बरों को अस्वीकार किया। उन्होंने अपने विचार पंजाबी भाषा में शबद के जरिए रखे। बाबा गुरु नानक कभी भी एक अलग नवीन धर्म की संस्थापना नहीं करना चाहते थे।

23. **खालसा पंथ**- पवित्रों की सेना, सिक्खों के दसवें गुरु गोबिन्द सिंह ने इसकी स्थापना की। इसके पाँच प्रतीक- बिना कटे केश, कृपाण, कच्छ, कंघा और लोहे का कड़ा।

24. पंद्रहवीं-सोलहवीं शताब्दी में भक्ति परंपरा की सुप्रसिद्ध कवयित्री मीराबाई थी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अति लघु प्रश्न 2 अंकों वाले

1. भक्ति परंपरा का विकास किन प्रचलित प्रक्रियाओं पर आधारित था?
2. 'अलवार' और 'नयनार' कौन थे?
3. देवी की आराधना पद्धति को किस नाम से जाना जाता था? समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?
4. अलवार संतों ने 'तमिल वेद काव्य' के रूप में किसका संकलन किया?
5. जाति के प्रति अलवार एवं नयनार संतो का क्या दृष्टिकोण था?
6. अलवार एवं नयनार स्त्री संतो के नाम बताइये।
7. 'शरिया' शब्द से क्या तात्पर्य है?
8. 'मातृगृहता' से क्या अभिप्राय है?
9. 'उलमा' कौन थे?
10. मस्जिदों की स्थापत्य कला के सार्वभौमिक तत्व क्या थे?
11. इस्लामी कानून के मुख्य स्रोत क्या हैं?
12. लिंगायतों ने अपने लेख किस भाषा में लिखे?
13. कबीर की बानी (कबीर की शिक्षायें) किन तीन विशिष्ट परिपाटियों में संकलित है?
14. निर्गुण और सगुण भक्ति की विशेषताएं बताइये।
15. शंकरदेव कौन थे और इन्होंने भक्ति की किस परंपरा का प्रचार किया?

लघुप्रश्न 5 अंकों वाले प्रश्न

1. इतिहासकार भक्ति परंपरा को किन दो मुख्य वर्गों में बाँटते थे?
2. भारत की सामाजिक व्यवस्था पर भक्ति आंदोलन के पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
3. इस्लाम धर्म के मुख्य सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।
4. तमिल भक्ति रचनाओं में अन्य धर्मों के प्रति विरोध क्यों उत्पन्न हुए?
5. सम्राटों ने ब्राह्मणीय और भक्ति परंपरा को समर्थन क्यों दिया?
6. 'सूफी' सिलसिलों से क्या अभिप्राय है? मुख्य सूफी सिलसिले कौन से थे?
7. सूफ़ीमत में खानकाह का वर्णन कीजिए।
8. 'वीरशैव' कौन थे? समाज में प्रचलित किसी एक बुराई को लिखिये जिसका उन्होंने विरोध किया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

9. सूफ़ी संतों के राज्य के साथ संबंधो पर प्रकाश डालिये।
10. संक्षिप्त परिचय और मुख्य शिक्षाएँ बताइए (कोई एक) :- कबीर, नानक देव, मीराबाई।
11. ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या थे?
12. 'खानकाह सामाजिक, जीवन का केन्द्र बिंदु था।' स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

1. सूफीमत के मुख्य सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।
2. 'वीरशैव' परंपरा से क्या अभिप्राय है? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. भक्ति परंपरा में स्त्री के स्थान की व्याख्या कीजिए।
4. 'दैवीय वस्त्र की बुनाई' में कबीर द्वारा किए गए योगदानों को लिखिए।
5. शेख निजामुद्दीन औलिया और उनकी खानक़ाह का वर्णन कीजिए।
6. 'भक्ति आंदोलन देशव्यापी आंदोलन था' स्पष्ट कीजिए। इसके उदय के विभिन्न कारणों की विवेचना कीजिए।
7. सूफी और भक्ति सम्प्रदायों के विचारों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।
8. सूफी परंपराओं के इतिहास के पुनर्निर्माण में सहायक विभिन्न स्रोतों का उल्लेख कीजिए।
9. 'कबीर, गुरुनानक और मीराबाई इक्कीसवीं शताब्दी में प्रासंगिक हैं' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
10. 'कबीर एक समाज सुधारक थे', कबीर की शिक्षाओं के संदर्भ में प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

अनुच्छेद प्रश्न 8 अंक वाले

1. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

मुग़ल शहजादी जहाँआरा की तीर्थयात्रा 1643

निम्नलिखित गद्यांश जहाँआरा द्वारा रचित शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी मुनिस-अल-अखाह (यानी आत्मा का विश्वस्त) से लिया गया है :-

अल्लाहताला की तारीफ़ के बाद........ यह फकीरा जहाँआरा........ राजधानी आगरा से अपने पिता (बादशाह शाहजहाँ) के संग पाक और बेजोड़ अजमेर के लिए निकली...... मैं इस बात के लिए वायदापरस्त थी कि हर रोज और हर मुकाम पर मैं दो बार की आख़्तियारी नमाज़ अदा करूँगी..... बहुत दिन..... मैं रात को बाघ के चमड़े पर नहीं सोई और अपने पैर मुकद्दस दरगाह की तरफ नहीं

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

फैलाए न ही मैंने पीठ उसकी तरफ की। मैं पेड़ के नीचे दिन गुजारती थी।

वीरवार को रमज़ान के मुकद्दस के चौथे रोज मुझे चिराग और इतर में डूबे दरगाह की जियारत की खुशी हासिल हुई..... चूँकि दिन की रोशनी की एक घड़ी बाकी थी। मैं दरगाह के भीतर गई और अपने जर्द चेहरे को चौखट की धूल से रगड़ा। दरवाजे से मुकद्दस दरग़ाह तक मैं नंगे पांव वहाँ की जमीन को चूमती हुई गई। गुम्बद के भीतर रोशनी से भरी दरगाह में मैंने मज़ार के चारों ओर सात फेरे लिए।

आखिर में अपने हाथों से मुकद्दस दरगाह पर मैंने सबसे उम्दा इतर छिड़का। चूँकि गुलाबी दुपट्टा जो मेरे सिर पर था, मैं उतार चुकी थी। इसलिए उसे मैंने मुकद्दस मज़ार के ऊपर रखा।

प्रस्तुत गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क) प्रस्तुत गद्यांश कहां से लिया गया है तथा इसको किसने लिखा है? 2

ख) जहाँआरा किस बात के लिए वायदापरस्त थी? 2

ग) जहाँआरा को किस दिन जियारत की खुशी हासिल हुई? 1

घ) जियारत से क्या अभिप्राय है? 1

ग) जहाँआरा की शेख के प्रति भक्ति का वर्णन कीजिए। 2

2. **शास्त्र या भक्ति**

यह छंद अप्पार नामक नयनार संत की रचना है:

हे धूर्तजन, जो तुम शास्त्र को उद्धृत करते हो

तुम्हारा गोत्र और कुल भला किस काम का? तुम केवल मारपेरू के स्वामी (शिव जो तमिलनाडु के तंजावुर जिले के मारपेरू में बसते है।) को अपना एकमात्र आश्रयदाता मानकर नतमस्तक हो।

1. अप्पार ने समाज में फैली किन बुराइयों को चुनौती दी? 2
2. दक्षिण भारत के दो प्रमुख भक्ति संप्रदायों के नाम बताइये? 2
3. लिंगायत समुदाय की दो विशेषताएँ बताइए। 2
4. किस काव्य संकलन को तमिल वेद माना जाता है? 2

3. **चतुर्वेदी (चारों वेदों के ज्ञाता ब्राह्मण) और 'अस्पृश्य'**

यह उद्धरण तोंदराडिप्पोडि नामक एक ब्राह्मण अलवार के काव्य से लिया गया है: चतुर्वेदी जो अजनबी है और तुम्हारी सेवा के प्रति निष्ठा नहीं रखते, उनसे भी ज्यादा आप (हे विष्णु)

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उन 'दासो' को पसंद करते हैं, जो आपके चरणों से प्रेम रखते हैं, चाहे वे वर्ण-व्यवस्था के परे हों।

1. 'चतुर्वेदी' किन्हें कहा जाता था? 2

2. 'अस्पृश्य' किसे माना जाता था? 2

3. भक्ति परंपरा के दो प्रमुख वर्ग बताइए। 2

4. अलवार संतों के किस ग्रंथ को वेदों जैसा महत्वपूर्ण बताया गया था? 2

4. अनुष्ठान और यथार्थ संसार

यह बासवन्ना द्वारा रचित एक वचन है: जब वे पत्थर से बने सर्प को देखते हैं तो उस पर दूध चढ़ाते हैं यदि असली साँप आ जाए तो कहते है 'मारो-मारो'।

देवता के उस सेवक को, जो भोजन परसने पर खा सकता है वे कहते है 'चले जाओ! चले जाओ।' किन्तु ईश्वर की प्रतिमा को जो खा नहीं सकती, वे व्यंजन परोसते हैं।

1. संत बासवन्ना ने किस नवीन आंदोलन अथवा परंपरा का प्रारंभ किया? 2

2. अनुष्ठानों के प्रति बासवन्ना के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। 2

3. लिगांयत परम्परा के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 2

4. लिंगायतों ने समाज में फैली किन मान्यताओं का खण्डन किया? 2

5. शाही भेंट अस्वीकार

यह उद्धरण सूफ़ी ग्रंथ से है जो शेख निज़ामुद्दीन औलिया की खानकाह में 1313 में हुई घटना का वर्णन करता है?

मेरी (अमीर हसन सिजज़ी) अच्छी किस्मत थी कि मैं उनके (निज़ामुद्दीन औलिया) कदम चूम सका, इस समय एक स्थानीय शासक ने दो बगीचे और बहुत सी जमीन का पट्टा शेख साहब को भेजा है। साथ ही इनके रखरखाव के लिए औजार व आवश्यक वस्तुएँ भेजी हैं। शासक ने यह भी साफ किया है कि वह बगीचों और जमीन पर अपना हक कहते है ''इस जमीन, खेत और बगीचे का मुझे क्या करना है?....... हमारे कोई भी आध्यात्मिक गुरु ने इस तरह का काम नहीं किया।''

फिर उन्होंने एक उचित कहानी सुनाई ''..... सुल्तान ग़ियासुद्दीन जो उस समय उलुग़ ख़ान के नाम से जाने जाते थे, शेख फ़रीदुद्दीन से मिलने आए। उन्होंने कुछ धनराशि और चार गांवों का पट्टा भेंट किया। धन दरवेशों के लिए था और ज़मीन शेख के अपने इस्तेमाल के लिए थी। मुस्कुराते हुए शेख-अल-इस्लाम (फ़रीदुद्दीन) ने कहा मुझे धन दे दो मैं इसे दरवेशों में बाँट दूँगा, उसे उन लोगों को दे दो जिन्हें उसकी कामना है...।''

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. निज़ामुद्दीन औलिया को स्थानीय शासक ने क्या वस्तुएँ भेंट की? 2
2. उलुग़ ख़ान कौन था? उसने धन को किन लोगों के लिए दिया? 3
3. प्रस्तुत उदाहरण के आधार पर शासक और सूफ़ी संतों के संबंधों की व्याख्या कीजिए। 3

6. खम्बात का गिरजाघर

यह उद्धरण उस फ़रमान (बादशाह के हुक्मनामे) का अंश है जिसे 1598 में अकबर ने जारी किया: हमारे बुलंद और मुकद्दस (पवित्र) जेहन में पहुंचा है कि यीशु की मुकद्दस जमात के पादरी खम्बायत गुजरात के शहर में इबादत के लिए (गिरजाघर) एक इमारत की तामीर (निर्माण) करना चाहते है, इसलिए यह शाही फरमान...... जारी किया जा रहा है.... खम्बायत के महानुभाव किसी भी तरह उनके रास्ते में न आएँ और उन्हें गिरजाघर की तामीर करने दें जिससे वे अपनी इबादत कर सकें। यह जरूरी है कि बादशाह के इस फरमान की हर तरह से तामील (पालन) हो।

1. पादरियों ने बादशाह अकबर के समक्ष क्या प्रार्थना की? 2
2. बादशाह अकबर ने यह फरमान कब और क्यों जारी किया? 2
3. उलमा कौन थे? उनसे क्या अपेक्षा की जाती थी? 2
4. अकबर को अपने फरमान की बेअदबी का अंदेशा किन से था? 2

7. एक ईश्वर

यह रचना कबीर की मानी जाती है: हे भाई यह बताओ, किस तरह हो सकता है कि संसार के एक नहीं दो स्वामी हो? किसने तुम्हें भ्रमित किया है?

ईश्वर को अनेक नामों से पुकारा जाता है: जैसे अल्लाह, राम, करीम, केशव, हरि तथा हजरत। विभिन्नताएँ तो केवल शब्दों में है जिनका आविष्कार हम स्वयं करते हैं।

कबीर कहते हैं दोनों ही भुलावे में है।

इनमें से कोई एक राम को प्राप्त नहीं कर सकता।

एक बकरे को मारता है और दूसरा गाय को।

वे पूरा जीवन विवादों में गँवा देते हैं।

1. संसार के एक से अधिक स्वामियों के खिलाफ कबीर किस तरह की दलील पेश करते हैं? 2
2. कबीर की मुख्य शिक्षाओं का वर्णन कीजिए। 2
3. कबीर की रचनाएँ किस भाषा में लिखी गई है? 1
4. समाज की किस बुराई पर लेखक ने प्रहार किया है? 1

Downloaded from www.studiestoday.com

5. कबीर की रचनाएँ किन किन ग्रंथों में संकलित हैं? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय सात

एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर

(लगभग 14वीं से 16वीं सदी तक)

स्मरणीय बिन्दु–

1. विजयनगर कृष्णा – तुंगभद्रा के दोआब में स्थित था।
2. हम्पी के भग्नावेष सर्वप्रथम 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेन्जी द्वारा प्रकाश में लाये गये।
3. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 14वीं सदी में 1336 में हरिहर व बुक्का द्वारा की गयी।
4. विजयनगर शासकों के दक्कन के सुल्तानों उड़ीसा के गजपति शासकों के साथ संघर्ष हुए।
5. इन संघर्षो के परिणामस्वरूप वियजनगर शासकों ने स्थापत्य के नवीन विचारों को ग्रहण कर उसका विकास दिया।
6. इस काल में शासक अश्व सेना के घोड़ों के लिए अरब व्यापारियों पर निर्भर थे।
7. तत्पश्चात आने वाले पुर्तगाली व्यापरियों के संपर्क से बंदूकों व तकनीकों की जानकारी द्वारा दक्कन की महत्वपूर्ण शक्ति बनें
8. विदेशी व्यापार से प्राप्त राजस्व द्वारा विजयनगर की समृद्धि बढ़ी।
9. विजयनगर मसालों, वस्त्रों तथा रत्नों के अपने बाजारों के लिए प्रसिद्ध था।
10. विजयनगर पर संगम, सुलुव, तुलुव व अराविदु वंशो ने शासन किया।
11. विजयनगर के सर्वाधिक प्रसिद्ध व प्रतापी राजा कृष्ण देव राय तुलुव वंश से संबंधित थे।
12. कृष्ण देव राय की अपनी विजयों, समृद्धि तथा स्थापत्य कला के विकास के लिए इतिहास में विशेष स्थान है।
13. कृष्ण देव राय की मृत्यु के पश्चात् बदलते सत्ता समीकरणों के चलते दक्कन के सुल्तानों से हुए संघर्षों में (तालीकोटा का युद्ध 1565 जिसे राक्षसी–तांगड़ी का युद्ध भी कहा जाता है) विजयनगर साम्राज्य का पतन हो गया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

14. विजयनगर साम्राज्य सेना के लिए अमर–नायकों पर निर्भर थे जो राजा के प्रति स्वामिभक्त होते थे तथा वर्ष में एक बार राजा को भेंट भेजा करते थे।

15. विजयनगर साम्राज्य से संरचनाओं में महानवमी डिब्बा, कमल महल, हजार राम मंदिर आदि महत्वपूर्ण हैं जिसका प्रयोग शासकों द्वारा अलग–अलग कार्यों के लिए किया जाता था।

16. अमर नायक सैनिक कमांडर थे जिन्हें राय (शासकों) द्वारा प्रशासन के लिए राज्य क्षेत्र दिये जाते थे। वे राजस्व एकत्रित करते थे।

17. तुंगभद्रा नदी द्वारा निर्मित प्राकृतिक कुण्ड, कमलपुरम्, जलाशय तथा हिरिया नहर, विजयनगर साम्राज्य के लिए जल संपदा के स्त्रोत थे।

18. विजयनगर साम्राज्य में भारत आने वाले विदेशी यात्री थे, डोमिंगों पेस, दुआर्ते बरबोसा, अब्दुर रज्जाक और नूनिज़।

19. विरुपाक्ष मंदिर तथा विट्ठल मंदिर उस काल की स्थापत्य कला के अनुपम उदाहरण है। विरुपाक्ष मंदिर भव्य गोपुरम कृष्ण देव राय द्वारा निर्मित उत्कीर्णित स्तम्भों के लिए विख्यात है। विट्ठल मंदिर विजयनगर शासकों द्वारा साम्राज्यिक संस्कृति को आत्मसात करने का द्योतक है।

अति लघु प्रश्न 2 अंक वाले प्रश्न

1. विजयनगर की स्थापना कब और किसने की थी? इसका विस्तार कहां से कहाँ तक था?
2. कॉलिन मैकन्जी कौन था? उसका भारतीय इतिहास निर्माण में क्या योगदान है?
3. गोपुरम व मण्डप का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
4. विजयनगर के संदर्भ में 'राय' और 'नायक' कौन थे?
5. विजयनगर में कमल महल का प्रयोग किन कार्यों के लिए किया जाता था?
6. डोमिंगो पेस कौन था? उसने विजयनगर की यात्रा कब की?
7. 'विरुपाक्ष' विजयनगर का सबसे महत्वपूर्ण देवता थे। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
8. हम्पी के भग्नावशेष कब और किसके द्वारा प्रकाश में लाए गए?
9. विजयनगर राज्य का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था? उसके दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।
10. विजय नगर की राजधानी हम्पी को यह नाम क्यों दिया गया?

लघु उत्तरीय प्रश्न 5 अंक वाले

1. विजय नगर साम्राज्य की जल आवश्यकताओं को किस प्रकार पूरा किया जाता था?
2. अब्दुर रज्जाक के विवरण के अनुसार विजयनगर दुर्ग के अतुल्य रचनात्मक अभिलक्षण क्या थे?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. 'महानवमी डिब्बा' की संरचना व इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों का वर्णन कीजिए।
4. विजयनगर साम्राज्य के धार्मिक केन्द्र की मुख्य विशेषताएँ बताइए।
5. राजा कृष्णदेव राय की प्रमुख उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
6. विजयनगर राज्य के चरमोत्कर्ष और पतन पर एक टिप्पणी लिखिए।
7. विजयनगर के शासकों द्वारा बनाए गए मंदिरों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. विजयनगर की सामाजिक तथा आर्थिक दशा का वर्णन कीजिए।
9. विजय नगर में किलेबंदी क्षेत्र में कृषि क्षेत्र क्यों रखा गया था? इसके क्या फायदे एवं नुकसान थे?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10 अंक वाले)

1. विजयनगर साम्राज्य के उत्थान में अमर नायक प्रणाली के महत्व का मूल्यांकन कीजिए यह किस सीमा तक दिल्ली सल्तनत की इकता प्रणाली से प्रेरित है?
2. बहमनी और विजयनगर के मध्य संघर्ष के मुख्य कारण क्या थे? वर्णन कीजिए।
3. आनुष्ठानिक स्थापत्य की पूर्ववर्ती परंपराओं को विजयनगर के शासकों ने कैसे और क्यों अपनाया तथा रूपांतरित किया? स्पष्ट कीजिए।
4. विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में स्थित भवन धार्मिक केन्द्र के भवनों से किस प्रकार भिन्न थे? उनकी उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

राजा और व्यापारी

विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय (शासनकाल 1509-29) ने शासन कला के विषय में अमुक्तमल्यद नामक तेलुगु भाषा में एक कृति लिखी। व्यापारियों के विषय में उसने लिखा:-

एक राजा को अपने बन्दरगाहों को सुधारना चाहिए और वाणिज्य को इस प्रकार प्रोत्साहित करना चाहिए कि घोड़ों, हाथियों, रत्नों, चंदन, मोती तथा अन्य वस्तुओं का खुले तौर पर आयात किया जा सके.... उसे प्रबंध करना चाहिए कि उन विदेशी नाविकों जिन्हें तूफानों, बीमारी या थकान के कारण उनके देश में उतरना पड़ता है, की भली-भांति देखभाल की जा सके..... सुदूर देशों के व्यापारियों, जो हाथियों और अच्छे घोड़ों का आयात करते हैं, को रोज बैठक में बुलाकर, तोहफ़े देकर तथा उचित मुनाफे की स्वीकृति देकर अपने साथ संबद्ध करना चाहिए। ऐसा करने पर ये वस्तुएँ कभी भी तुम्हारे

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दुश्मनों तक नहीं पहुँचेंगी।

1. शासक द्वारा व्यापार प्रोत्साहन के लिए किन नियमों का पालन करना आवश्यक है? 2
2. कृष्णदेव राय किस वंश से संबद्ध था? 1
3. विजयनगर में किन व्यापारिक वस्तुओं की मांग अधिक थी? और क्यों? 1
4. कृष्णदेव राय के शासन की चारित्रिक विशेषता बताइए। 2
5. राजा को सुदूर देश के व्यापारियों की देखभाल कैसे करनी चाहिए और क्यों? 2

हौज़ों/जलाशयों का निर्माण किस प्रकार होता था?

कृष्णदेव राय द्वारा बनवाये गए जलाशय के विषय में पेस लिखता है:

राजा ने एक जलाशय बनवाया.... दो पहाड़ियों के मुख-विबर पर जिससे दोनों में से किसी पहाड़ी से आने वाला सारा जल वहाँ इकट्ठा हो, इसके अलावा जल 9 मील (लगभग 15 किमी.) से भी अधिक की दूरी से पाइपों से आता है जो बाहरी श्रृंखला के निचले हिस्से के साथ-साथ बनाए गए थे। यह जल एक झील से लाया जाता है जो छलकाव से खुद एक छोटी नदी में मिलती है। जलाशय में तीन विशाल स्तंभ बने हैं जिन पर खूबसूरती से चित्र उकेरे गए हैं; ये ऊपरी भाग में कुछ पाइपों से जुड़े हुए हैं। जिनसे ये अपने बगीचों तथा धान के खेतों की सिंचाई के लिए पानी लाते हैं। इस जलाशय को बनाने के लिए इस राजा ने एक पूरी पहाड़ी को तुड़वा दिया.... जलाशय में मैंने इतने लोगों को कार्य करते देखा कि वहाँ पन्द्रह से बीस हजार आदमी थे, चीटियों की तरह....

1. राजा ने जलाशयों का निर्माण क्यों कराया? 2
2. जलाशयों में जल की आपूर्ति कैसे की जाती थी? 1
3. जलाशयों में लगे मजदूरों की संख्या ज्ञात कीजिए। 1
4. विजयनगर की जल संरचनाओं का उल्लेख कीजिए। 4

कॉलिन मैकेन्जी

1754 ई. में जन्मे कॉलिन मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक, तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की। 1815 में उन्हें भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया और 1821 में अपनी मृत्यु तक वे इस पद पर बने रहे। भारत के अतीत को बेहतर ढंग से समझने और उपनिवेश के प्रशासन को आसान बनाने के लिए उन्होंने इतिहास में संबंधित स्थानीय परंपराओं का संकलन तथा ऐतिहासिक स्थानों का सर्वेक्षण करना आरंभ किया। वे कहते है, "ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत खराब प्रबंधन की दुर्गति से लंबे समय तक जूझता रहा।" विजयनगर के अध्ययन से मैकेन्जी को यह विश्वास हो गया कि कंपनी, "स्थानीय लोगों के अलग-अलग कबीलों, जो इस समय भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा थे, को अब भी प्रभावित करने वाले इनमें से कई संस्थाओं, कानूनों तथा रीति-रिवाजों के विषय में बहुत महत्वपूर्ण जानकारियाँ हासिल कर सकती थी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. मैकेन्जी के अनुसार ब्रिटिश शासन से पूर्व दक्षिण भारत की क्या स्थिति थी? 2
2. मैकेन्जी की जानकारी किस प्रकार के स्रोतों पर आधारित थी? 3
3. कम्पनी मैकेन्जी द्वारा विजयनगर के अध्ययन से क्या लाभ प्राप्त कर सकती थी? 2
4. मैकेन्जी कौन था? 1

मानचित्र कार्य 5 अंक

भारत के लिए हुए मानचित्र पर पांच स्थान (दक्षिण) 14वीं और 16वीं शताब्दी के बीच मानचित्र पर अंकित है। इन्हें पहचानें और दी गई रेखाओं पर उनके नाम लिखें।

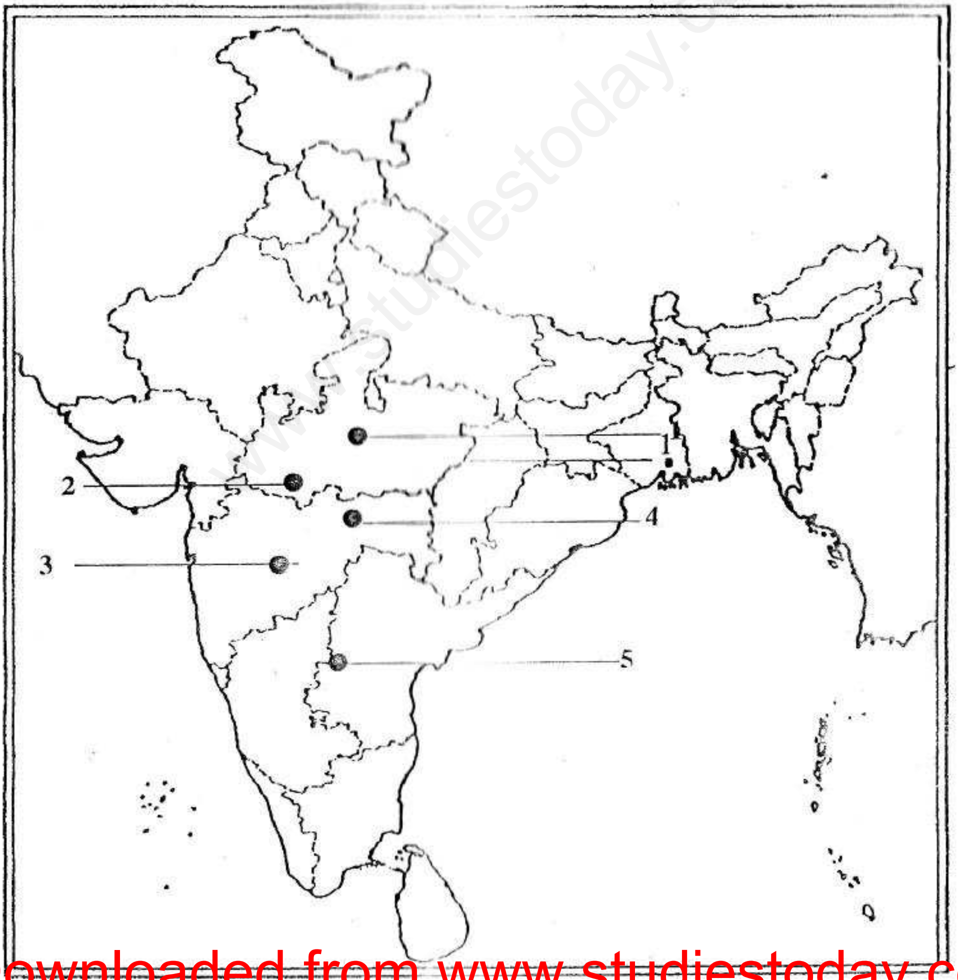

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय आठ

किसान, ज़मींदार और राज्य
कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी)

स्मरणीय बिन्दु–

1. खेतिहर समाज की बुनियादी इकाई गाँव थी, जिसमें किसान रहते थे।
2. कृषि इतिहास के मुख्य स्रोत मुगल दरबार की निगरानी में लिखे गए थे।
3. गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान व ईस्ट इंडिया कंपनी के दस्तावेज भी इस काल के स्रोत हैं।
4. रैयत, मुज़रियान, खुद–काश्त, पाहि–काश्त – किसान के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द हैं।
5. मध्यकाल में कृषि वर्षा पर निर्भर थी पर सिंचाई के लिए कुछ कृत्रिम उपाय भी अपनाये गये तथा शहर द्वारा, कुओं से पानी निकाल कर एवं नहर द्वारा।
6. मध्यकालीन भारत में खेती सिर्फ़ गुजारा करने के लिए ही नहीं की जाती थी। बल्कि स्रोतों में हमें अक्सर **जिन्स-ए-कामिल** (सर्वोत्तम फसलें) जैसे लफ़्ज़ मिलते हैं। उदाहरण के लिए गन्ना, कपास जैसी नकदी फसलें।
7. टमाटर, आलू और मिर्च जैसी सब्जियाँ, अन्नास एवं पपीता भारत में नयी दुनिया से लाये गये।
8. ग्रामीण समुदाय के तीन घटक थे– खेतिहर किसान, पंचायत और गाँव का मुखिया। (मुक़द्दम या मंडल)।
9. जिन गाँवों में कई जातियों के लोग रहते थे, वहाँ अक्सर पंचायत में भी विविधता पाई जाती थी।
10. ग्राम पंचायत के अलावा गाँव की हर जाति की अपनी पंचायत होती थी।
11. ग्रामीण समाज में किसानों और दस्तकारों के बीच फ़र्क करना मुश्किल होता था।
12. कृषि समाज में महिलाएँ मर्दों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेतों में काम, यथा बुआई निराई, और कटाई के साथ-साथ, पकी हुई फ़सल का दाना निकालने का काम करती थीं।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

13. ज़मींदार राज्य को कुछ खास किस्म की सेवाएँ देते थे।

14. जमींदारो की व्यक्तिगत जमीन को मिल्कियत कहा जाता था।

15. मध्यकाल में भू-राजस्व के इंतजामात के दो चरण थे - कर निर्धारण और वास्तविक वसूलील। जमा निर्धारित रकम थी और हासिल सचमुच वसूली गई रकम।

16. राजस्व वसूल करने वाला अधिकारी अमील-गुजार कहलाता था।

17. अकबर ने भूमि का वर्गीकरण करवाया और उनके अनुसार राजस्व निर्धारित किया यथा - पोलज, परौती, चचर एवं बंजर।

18. **अकबरनामा**, अकबर के काल का, अबुल, फ़ज़्ल द्वारा तीन जिल्दों में रचा गया ऐतिहासिक दस्तावेज है। **आइन-ए-अकबरी** इसी का एक भाग है।

19. पाँच भाग (दफ्तरों) में संकलित आइन में अकबर के दरबार, प्रशासन, सेना का संगठन, राजस्व के स्त्रोत, प्रांतो का भूगोल, लोगो के साहित्यिक, सांस्कृतिक व धार्मिक रिवाज का विवरण दिया गया है।

20. आइन में जोड़ संबंधी गलतियाँ तथा संख्यात्मक आंकड़ों में विषमताएँ पायी गयी हैं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न 2 अंक वाले

1. मुगल काल में खेती के संदर्भ में 'जिन्स-ए-कामिल' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2. खेती के संदर्भ में दो फसलों का क्या मतलब है? इसके बारे में 'आइन' का क्या कहना है?

3. उन्नीसवीं सदी के कुछ अंग्रेज अफसरों द्वारा भारतीय गांवों को एक छोटे गणराज्य के रूप में देखा गया। यह कथन कहां तक सत्य है?

4. 16वीं और 17वीं सदी के समसामयिक रचनाओं के परिप्रेक्ष्य में 'जंगली' शब्द को परिभाषित कीजिए।

5. मुगलकाल में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से कौन-कौन सी फसलें भारतीय उपमहाद्वीप पहुंची?

6. मुगल राजनीतिक विचारधारा में शिकार के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

7. आइन के लेखक का नाम बतलाइये एवं इसमें किन विषयों का संकलन किया गया है?

8. मनसबदार कौन थे?

9. कणकुत व्यवस्था क्या थी?

10. जमा और हासिल से क्या अभिप्राय है?

11. मुग़ल काल की किन्हीं दो नकदी फसलों के नाम बताइए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

लघ उत्तरीय प्रश्न 5 अंक वाले

1. मुगल राज्य किस प्रकार अपने नुमांइदों जैसे- राजस्व निर्धारित करने वाले, राजस्व वसूली करने वाले, हिसाब रखने वाले के द्वारा ग्रामीण समाज पर काबू रखने की कोशिश करता था? स्पष्ट कीजिए।

2. मुगलकाल में ग्राम पंचायत के अलावा हर जाति को अपनी पंचायत रखने की जरूरत क्यों महसूस होती थी? व्याख्या कीजिए।

3. किन कारणों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मुगल काल में किसानों और दस्तकारों के बीच फर्क करना कठिन होता था? स्पष्ट कीजिए।

4. मुगल काल के दौरान वाणिज्यिक खेती को महत्व क्यों दिया गया? विवेचना कीजिए।

5. किन तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि सत्रहवीं सदी के भारत में बड़ी अद्भुत मात्रा में नकद और वस्तुओ का आदान-प्रदान हो रहा था? वर्णन कीजिए।

6. अकबर के शासन काल में भूमि का वर्गीकरण किस प्रकार किया गया और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

7. ग्रामीण समाज में पंचायत और गांव के मुखिया की क्या भूमिका थी? स्पष्ट कीजिए।

8. आइन-ए-अकबरी को अकबर के काल के कृषि इतिहास के लिए एक स्त्रोत के रूप में इस्तेमाल करने पर, इतिहासकारों को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 अंक वाले

1. सोलहवीं और सत्रहवीं सदी में खेती से जुड़े तमाम रिश्ते सहयोग, प्रतिभागिता और संघर्ष से बने थे, विवेचना कीजिए।

2. मुगलकालीन भारत में जमींदार शोषण करने वाला तबका था, परन्तु किसानों से उनके रिश्तों में पारस्परिकता, पैतृकवाद और संरक्षण का पुट था। इन विरोधाभासों को समझते हुए जमीदारों की भूमिका का विवरण दीजिए।

3. 'मुग़लों' ने एक विस्तृत भू-राजस्व प्रणाली तैयार की'। इस कथन की विवेचना कीजिए।

4. 16वीं सदी के भारत में सिंचाई की क्या व्यवस्था थी? उत्तर व दक्षिण भारत की व्यवस्था का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. 16वीं व 17वीं सदी के भारतीय परिदृश्य को समझने में सहायक विभिन्न स्रोतों का उल्लेख कीजिए। किसी एक स्रोत का विस्तारपूर्ण वर्णन कीजिए।

6. मुगल काल में कृषि समाज में महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण कीजिए।

7. आइन के अनुसार मध्यकाल में मौसम के अनुसार कृषि होती थी एवं फसलों की भरमार थी, स्पष्ट कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अनुच्छेद आधारित प्रश्न 8 अंक वाले

किसान बस्तियों का बसना-उजड़ना

यह हिन्दुस्तानी कृषि समाज की एक खासियत थी और इस खासियत ने मुगल शासक बाबर की तेज निगाहों को इतना चौंकाया कि उसने इसे अपने संस्मरण बाबरनामा में नोट किया:

हिन्दुस्तान में बस्तियों और गांव, दरअसल शहर के शहर, एक लम्हे में ही वीरान भी जो जाते हैं और बस भी जाते हैं। वर्षों से आबाद किसी बड़े शहर के बाशिंदे उसे छोड़कर चले जाते हैं, तो वे ये काम कुछ इस तरह करते हैं कि डेढ़ दिनों के अन्दर उनका हर नामोनिशान (वहां से) मिट जाता है। दूसरी ओर, अगर वे किसी जगह पर बसना चाहते हैं तो उन्हें पानी के रास्ते खोदने की जरूरत नहीं होती क्योंकि उनकी सारी फसलें बारिश के पानी में उगती हैं, और चूँकि हिंदुस्तान की आबादी बेशुमार है, लोग उमड़ते चले जाते है। वे एक सरोवर या कुआँ बना लेते हैं; उन्हें घर बनाने या दीवार खड़ी करने की ज़रूरत नहीं होती...... खस की घास बहुतायात में पाई जाती है, जंगल अपार है, झोपड़ियां बनाई जाती हैं और यकायक एक गाँव या शहर खड़ा हो जाता है।

1. यह विवरण किस शासक द्वारा व मूल रूप में किस संस्मरण में लिखित है? 2
2. जीवनयापन व फसलों के लिए इस स्रोत के अनुसार भारतीयों के पास सिंचाई का क्या प्रबंध था? 3
3. गाँव अथवा शहर के उजड़ने व बसने की प्रक्रिया पर क्या विशेष उल्लेख इस संस्मरण में मिलता है? 3

नक़द या जीन्स

अमील-गुज़ार सिर्फ नक़द लेने की आदत न डाले बल्कि फसल भी लेने के लिए तैयार रहे। यह बाद वाला तरीका कई तरह से काम में लाया जा सकता है। पहला कणकुत: हिन्दी जुबान में कण का मतलब है अनाज, और कुत अंदाजा..... अगर कोई शक हो तो फसल को तीन अलग-अलग पुलिंदों में काटना चाहिए- अच्छा, मध्यम और बदतर और इस तरह शक दूर कर करना चाहिए। अकसर अंदाज से किया गया जमीन का आकलन भी पर्याप्त रूप से सही नतीजा देता है। दूसरा, बटाई जिसे भाओली भी कहते हैं (में) फसल काटकर जमा कर देते है, और फिर सभी पक्षों की मौजूदगी में व रजामंदी मे बँटवारा करते हैं लेकिन इसमें कई समझदार निरीक्षकों की जरूरत पड़ती है, वर्ना दुष्ट-बुद्धि और मक्कार धोखेबाजी की नीयत रखते हैं। तीसरे, खेत बटाई, बीज बोने बाद खेत बाँट लेते हैं। चौथे, लाँग बटाई, फसल काटने के बाद वे उसका ढेर बना लेते हैं और फिर अपने में बाँट लेते हैं और हरेक (पक्ष) अपना हिस्सा घर ले जाता है और उससे मुनाफा कमाता है।

1. 'आइन' के लेखक का नाम बताइए। 1
2. अमील-गुज़ार कौन थे और उन्हें क्या निर्देश दिए गए थे? 2
3. मुगलों की भू-राजस्व प्रणाली में विविधता थी, यह तथ्य इस स्रोत से किस प्रकार उजागर होता है? 3
4. 'कणकुत प्रणाली' किस प्रकार बटाई से बेहतर थी? इस स्रोत के आधार पर लिखिए। 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अकबर के शासन में भूमि का वर्गीकरण

आइन में वर्गीकरण के मापदण्ड की निम्नलिखित सूची दी गई है :

अकबर बादशाह ने अपनी गहरी दूरदर्शिता के साथ जमीनों का वर्गीकरण किया और हरेक (वर्ग की जमीन) के लिए अलग अलग राजस्व निर्धारित किया। पोलज वह जमीन है जिसमें एक के बाद एक हर फसल की सालाना खेती होती है और जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता है। परौती वह जमीन है जिस पर कुछ दिनों के लिए खेती रोक दी जाती है ताकि वह अपनी खोयी ताकत वापस पा सके। चचर वह जमीन है जो तीन या चार वर्षो तक खाली रहती है। बंजर वह जमीन है जिस पर पांच या उससे ज्यादा वर्षो से खेती नहीं की गई हो। पहले दो प्रकार की जमीन की तीन किस्में हैं, अच्छी मध्यम और खराब। वे हर किस्म की जमीन के उत्पाद को जोड़ देते है, और इसका तीसरा हिस्सा मध्यम उत्पाद माना जाता है, जिसका एक-तिहाई हिस्सा शाही शुल्क माना जाता है।

1. मुगल राज्य में राजस्व निर्धारण किस प्रकार किया जाता था? 2
2. अकबर ने भूमि का वर्गीकरण किसलिए करवाया? 2
3. जमीन का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया? प्रत्येक भाग की विशेषता बताइए। 2
4. भू-राजस्व की वसूली पर मुगल साम्राज्य के विस्तार का क्या प्रभाव पड़ा? 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय नौ

शासक और इतिवृत: मुग़ल दरबार

(लगभग 16वीं और 17वीं शताब्दियाँ)

स्मरणीय बिन्दु-

1. दरबारी इतिहास लेखन की परंपरा मुगल शासकों ने प्रारंभ की। दरबारी इतिहासकारों की नियुक्ति की एवं फ़ारसी को दरबारी भाषा बनाया गया। अत: इतिवृत्त फ़ारसी में लिखे गये एवं अबुल फ़ज़्ल पहला दरबारी इतिहासकार था।
2. दरबारी इतिहासकारों द्वारा लिखे इतिवृत्तों में शाही विचारधाराओं की झलक मिलती है।
3. अकबर के काल में महाभारत का फ़ारसी में अनुवाद रज़्मनामा (युद्धों की पुस्तक) नाम से हुआ।
4. मुगल शासन में पांडुलिपियों की रचना के लिए किताबख़ाना की स्थापना की गयी, जहाँ पांडुलिपियों के लेखन से संबंधित सभी कार्य सम्पादित किये जाते थे।
5. दरबारी इतिहासकारों व चित्रकारों द्वारा मुगल सम्राटों पर ईश्वर के दैवीय प्रकाश का निरूपण अपनी रचनाओं में किया गया है।
6. फर-ए-इजादी का तात्पर्य है ईश्वर से नि:सृत प्रकाश जो मुगल सम्राट को मुगल राजत्व के अनुसार मिला।
7. अकबर के शासन की एक महत्वपूर्ण नीति सुलह-ए-कुल है। अबुल फ़ज़्ल सुलह-ए-कुल (पूर्ण शांति) के आदर्श को प्रबुद्ध शासन की नींव बताता है।
8. अकबर ने 1563 में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 में जज़िया कर समाप्त कर दिया।
9. मुग़ल शासक अपनी प्रजा के चार सत्वों -जीवन, धन, सम्मान और विश्वास की रक्षा करता है और इसके बदले में वह आज्ञा पालन तथा संसाधनों में हिस्से की माँग करता है। इस प्रकार अबुल फ़ज़्ल ने प्रभुसत्ता को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में परिभाषित किया।
10. जहाँगीर ने न्याय के लिए एक जंजीर लगवाई ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय के लिए गुहार लगा सके। मुगल राजतंत्र में न्याय व्यवस्था इतनी उत्तम कोटि की थी कि प्रतीक के रूप में चित्रों

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

शेर और बकरी या गाय को एक साथ बैठा दिखाया जाता था।

11. मुग़ल सम्राटों द्वारा धार्मिक, सामरिक आवश्यकताओं की पूर्ति तथा प्रतिष्ठा व सत्ता प्रदर्शन के लिए विभिन्न राजधानियों का चयन किया गया।

12. मुग़ल शासकों द्वारा शिष्टाचार व अभिवादन के विभिन्न तरीकों को अपनाया गया जो किसी व्यक्ति के हैसियत का परिचायक था।

13. कोर्निश, सिजदा, चार तसलीम तथा जमींबोसी मुगल अभिवादन के तरीके थे।

14. मुग़ल बादशाह अपने दिन की शुरूआत झरोखा दर्शन से करता था। इस प्रथा का उद्देश्य जन विश्वास के रूप में शाही सत्ता की स्वीकृत्ति को और विस्तार देना था।

15. मुगल बादशाहों ने सिहांसनारोहण की वर्षगांठ, ईद, शब-ए-बारात, होली, सूर्यवर्ष एवं चंद्रवर्ष के अनुसार शासक का जन्मदिन, 'नौरोज़' आदि उत्सव दरबार में मनाने की प्रथा प्रारंभ की।

16. विशेष अवसरों पर मुगल बादशाहों द्वारा पदवियाँ ग्रहण करने की परम्परा थी। अभिजातों द्वारा भी योग्यता के आधार पर या खरीदकर बादशाहों से पदवियाँ प्राप्त की जा सकती थी।

17. खिल्लत (सम्मान का जामा) और सरप्पा (सर से पाँव तक) मुगल बादशाह द्वारा दिये गये प्रमुख उपहार थे।

18. शाही परिवार की स्त्रियों (बेगमों) का घरेलू, वित्तीय प्रशासनिक क्षेत्र में भी दखल हुआ करता था। इनमें गुलबदन बेगम, नूरजहाँ, जहाँआरा, रोशनआरा के नाम उल्लेखनीय हैं।

19. मुग़लों के अधीन अभिजात-वर्ग मिश्रित किस्म का था- अर्थात उसमें ईरानी, तूरानी, अफगानी, तुर्की, रूसी, अबीसीनियाई, अरबी, सीरियाई, राजपूत, दक्खनी सभी शामिल थे। जो सैन्य अभियानों में सैनिक कमांडरों के रूप में कार्य करते थे।

20. जहाँगीर के शासन काल में ईरानियों को उच्च पद प्राप्त हुए, नूरजहाँ ईरानी थी।

21. मुग़ल अभिजात वर्ग को उनकी सेवाओं के लिए मनसब प्रदान किये जाते थे जो 'जात' एवं सवार के हिसाब से होते थे। जात का अभिप्राय है शाही पदानुक्रम में अधिकारी का पद और वेतन तथा सवार यह सूचित करता है कि उससे सेवा में कितने घुड़सवार रखना अपेक्षित है। मनसब व्यवस्था की शुरूआत अकबर ने की।

22. उचित प्रशासन के लिए अनेक मंत्रियों की नियुक्ति की जाती थी मीर बख़्शी (उच्चतम वेतन दाता), दीवान-ए-आला (वित्त मंत्री) सद्र-उस-सुदुर (मदद-ए-माश या अनुदान मंत्री)।

23. दरबारी लेखक वाकिया नवीस कहलाते थे जो दरबार की सभी कार्यवाहियों का विवरण तैयार करते थे।

24. सार्वजनिक समाचारों एवं सूचनाओं के लिए पूरा मुगल साम्राज्य तीव्र सूचना तंत्र से जुड़ा हुआ था।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

25. साम्राज्य का प्रांतों (सूबों) में बँटवारा किया गया था, जो केन्द्रीय शासन के अन्तर्गत रहते थे।
26. मुग़ल साम्राज्य कई सूबों (प्रांतो)में , सूबे सरकारों में एवं सरकार परगनों में विभक्त थे।
27. कंधार सफ़ावियों तथा मुगलों के बीच विवाद का कारण था।
28. अकबर के दरबार में पहला जेसुइट शिष्टमंडल 1580 में फतेहपुर सीकरी में आया।
29. अकबर धार्मिक ज्ञान की तलाश के चलते फतेहपुर सीकरी स्थित **'इबादतखाने'** में विभिन्न धार्मिक संतों के विचारों को सुनता था।
30. मुगलकाल की प्रमुख रचनायें हैं – **बाबरनामा** (बाबर, तुर्की में), **हुँमायूँनामा** (गुलबदन), **अकबरनामा** (अबुल फ़ज़्ल), **जहाँगीरनामा** (जहांगीर), **बादशाहनामा** (अब्दुल हमीद लाहौरी)।
31. 1648 में दरबार, सेना तथा शाही ख़ानदान आगरा से नयी शाही राजधानी शाहजहाँनाबाद (दिल्ली) चले गए थे।

अति लघु उत्तारीय प्रश्न 2 अंक वाले

1. मुग़ल साम्राज्य में न्याय के लिए किस प्रतीक को चुना गया तथा इसे क्यों महत्वपूर्ण माना गया?
2. मुग़ल दरबार में अभिवादन के कौन-कौन से तरीके प्रचलित थे?
3. इतिहासकार अबुल फज़्ल ने चित्रकारी को एक 'जादुई कला' क्यों कहा है?
4. अबुल फ़ज़्ल के अनुसार चित्रकला के बारे में बादशाह अकबर के विचार क्या थे?
5. मुगलकालीन दो कलाकारों के नाम बताइए।
6. मुगल काल में मनाये जाने वाले प्रमुख उत्सवों पर प्रकाश डालिए।
7. इतिवृत्तों को तैयार करवाने के पीछे मुगल बादशाहों के क्या उद्देश्य थे?
8. महाभारत का अनुवाद किस भाषा में एवं किस नाम से करवाया गया?

लघु उत्तरीय प्रश्न 5 अंक वाले

1. मुग़लशासकों द्वारा इतिहासकारों की नियुक्ति क्यों की गयी?
2. मुगल दरबार में पांडुलिपि तैयार करने के विभिन्न चरण कौन-कौन से थे?
3. मुगल साम्राज्य में शाही परिवार की स्त्रियों द्वारा निभाई गयी भूमिका को मूल्यांकन कीजिए।
4. इतिवृत्त मुगलों के 'राजत्व सिद्धान्त' को किस प्रकार प्रतिबिंबित करते हैं?
5. 'सुलह-ए-कुल' की नीति क्या थी? यह मुगल काल की जरूरत थी। इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

6. मुगल साम्राज्य में सूचनायें किस प्रकार एकत्रित की जाती थी? वर्णन कीजिए।
7. मुग़ल सूबों में प्रशासन का क्या स्वरूप था? केन्द्र द्वारा प्रान्तों पर नियंत्रण किस प्रकार रखा जाता था? स्पष्ट कीजिए।
8. उन विशिष्ट मुद्दो का उल्लेख कीजिए जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप से बाहर क्षेत्रों के प्रति मुगल नीतियों तथा विचारों को आकार प्रदान किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 10 अंक वाले

1. अकबर के 'आदर्श राज्य' के विभिन्न तत्वों का विस्तृत विवरण दीजिए।
2. मुग़ल के दरबार की विभिन्न गतिविधियों का वर्णन कीजिए।
3. मुगलों की आर्थिक नीति के संबंध में अकबर की आर्थिक नीति एवं विचारों की विस्तार से समीक्षा कीजिए।
4. अकबर की प्रशासनिक नीतियों ने किस प्रकार मुगल साम्राज्य को सुदृढ़ किया? विवेचना कीजिए।
5. मुग़ल काल में शाही नौकरशाही की भर्ती की प्रक्रिया तथा पदों के बारे में विस्तारपूर्वक लिखिए।
6. 'मुगल अभिजात-वर्ग को गुलदस्ते के रूप में वर्णित किया जाता है?' इस कथन के संबंध में मुगल अभिजात-वर्ग के विशिष्ट अभिलक्षण बताते हुए, बादशाह के साथ उनके संबंधों की व्याख्या कीजिए।

अनुच्छेद आधारित प्रश्न 8 अंक वाले

निम्नलिखित अवतरणों के ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. तसवीर की प्रशंसा में

अबुल फ़ज़्ल चित्रकारी को बहुत सम्मान देता था:

किसी भी चीज़ का उसके जैसा ही रेखांकन बनाना तसवीर कहलाता है। अपनी युवावस्था के एकदम शुरुआती दिनों से ही महामहिम ने इस कला में अपनी अभिरुचि व्यक्त की है। वे इसे अध्ययन और मनोरंजन दोनों का ही साधन मानते हुए इस कला को हर संभव प्रोत्साहन देते हैं। चित्रकारों की एक बड़ी संख्या इस कार्य में लगाई गई है। हर हफ्ते शाही कार्यशाला के अनेक निरीक्षक और लिपिक बादशाह के सामने प्रत्येक कलाकार का कार्य प्रस्तुत करते हैं और महामहिम प्रदर्शित उत्कृष्टता के आधार पर ईनाम देते तथा कलाकारों के मासिक वेतन में वृद्धि करते हैं... अब सर्वाधिक उत्कृष्ट चित्रकार मिलने लगे हैं और बिहजाद जैसे चित्रकारों की अत्युत्तम कलाकृतियों को तो उन यूरोपीय चित्रकारों के उत्कृष्ट कार्यों के समकक्ष ही रखा जा सकता है जिन्होंने विश्व में व्यापक ख्याति अर्जित कर ली है। ब्योरे की सूक्ष्मता, परिपूर्णता और प्रस्तुतीकरण की निर्भीकता जो अब चित्रों में दिखाई पड़ती है, वह अतुलनीय है। यहाँ तक कि निर्जीव वस्तुएँ भी प्राणवान प्रतीत होती हैं। सौ से अधिक चित्रकार

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

इस कला के प्रसिद्ध कलाकार हो गए हैं। हिंदू कलाकारों के लिए यह बात ख़ासतौर पर सही है। उनके चित्र वस्तुओं की हमारी परिकल्पना से कहीं परे हैं। वस्तुत: पूरे विश्व में कुछ लोग ही उनके समान पाए जा सकते हैं।

1. अबुल फ़ज़्ल चित्रकला को महत्वपूर्ण क्यों मानता है? 2
2. पांडुलिपियों की रचना में चित्रकारों का क्या योगदान था? 2
3. चित्रकला के विषय में बादशाह अकबर के क्या विचार थे? 2
4. अबुल फ़ज़्ल ने चित्रकला को 'जादुई कला' क्यों कहा है? 2

2. दरबार-ए-अकबरी

अबुल फ़ज़्ल अकबर के दरबार का बड़ा सजीव विवरण देते हुए कहता है:

जब भी महामहिम (अकबर) दरबार लगाते हैं तो एक विशाल ढोल पीटा जाता है और साथ-साथ अल्लाह का गुणगान होता है। इस तरह सभी वर्गों के लोगों को सूचना मिल जाती है। महामहिम के पुत्र, पौत्र, दरबारी और वे सभी जिन्हें दरबार में प्रवेश की अनुमति थी, हाज़िर होते है' और कोर्निश कर अपने स्थान पर खड़े रहते हैं। ख्यातिप्राप्त विद्वज्जन तथा विशिष्ट कौशलों में निपुण व्यक्ति आदर व्यक्त करते हैं; तथा न्याय अधिकारी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। महामहिम अपनी सामान्य अंतर्दृष्टि के आधार पर आदेश देते हैं और सभी मामलों को संतोषजनक ढंग से निपटाते हैं। इस पूरे समय के दौरान विभिन्न देशों से आए तलवारिये व पहलवान अपने को तैयार रखते हैं और महिला तथा पुरुष गायक अपनी बारी की प्रतीक्षा में रहते हैं। चतुर बाज़ीगर और मज़ाकिया कलाबाज भी अपने कौशल और दक्षता का प्रदर्शन करने को उत्सुक हैं।

1. औपचारिक अभिवादन 'कोर्निश' के विषय में लिखिए। 2
2. 'अकबरनामा' के लेखक का नाम बताइए। 1
3. मुगलों का इतिहास लिखने के लिए इतिवृत्त अपरिहार्य स्रोत क्यों माने जाते हैं? 2
4. मुग़ल दरबार में राजनीतिक दूतों संबंधी नयाचारों की व्यवस्था स्पष्ट कीजिए? 3

3. दरबार में अभिजात

अकबर के दरबार में ठहरा हुआ जेसुइट पादरी फादर एंटोनियो मान्सेरेट उल्लेख करता है:

सत्ता के बेधड़क उपयोग से उच्च अभिजातों को रोकने के लिए राजा उन्हें दरबार में बुलाता है और निरंकुश आदेश देता है जैसे कि वे उसके दास हों। इन आदेशों का पालन उन अभिजातों के उच्च ओहदे और हैसियत से मेल नहीं खाता था।

1. फादर मान्सेरेट मुग़ल बादशाह तथा उनके अधिकारियों के विषय में क्या विचार रखते हैं? 3
2. 'तजवीज़' से क्या अभिप्राय है? 2
3. अभिजात वर्ग की भर्ती किस प्रकार की जाती थी? 3

4. बादशाह तक सुलभ पहुँच

पहले जेसुइट शिष्टमंडल का एक सदस्य मान्सेरेट अपने अनुभवों का विवरण लिखते हुए कहता है:

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उससे (अकबर से) भेंट करने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए उसकी पहुँच कितनी सुलभ है इसके बारे में अतिशयोक्ति करना बहुत कठिन है। लगभग प्रत्येक दिन वह ऐसा अवसर निकालता है कि कोई भी आम आदमी अथवा अभिजात उससे मिल सके और बातचीत कर सके। उससे जो भी बात करने आता है उन सभी के प्रति कठोर न होकर वह स्वयं को मधुरभाषी और मिलनसार दिखाने का प्रयास करता है। उसे उसकी प्रजा के दिलो-दिमाग से जोड़ने में इस शिष्टाचार और भद्रता का बड़ा असाधारण प्रभाव है।

1. यह विवरण किसके द्वारा दिया गया है? वह किस शिष्टमण्डल का सदस्य था? 2

2. यह शिष्टमण्डल मुग़ल दरबार में कब आया? इसने अकबर के साथ क्या चर्चाएं की? 3

3. उपरोक्त स्त्रोत से अकबर की किन चारित्रिक विशेषताओं का पता चलता है? 3

4. भारत के मानचित्र पर 1 से 5 पांच स्थान चित्रित किए गये हैं, जो बाबर से लेकर औरंगजेब तक सत्ता के केन्द्र रहे। उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए। 5

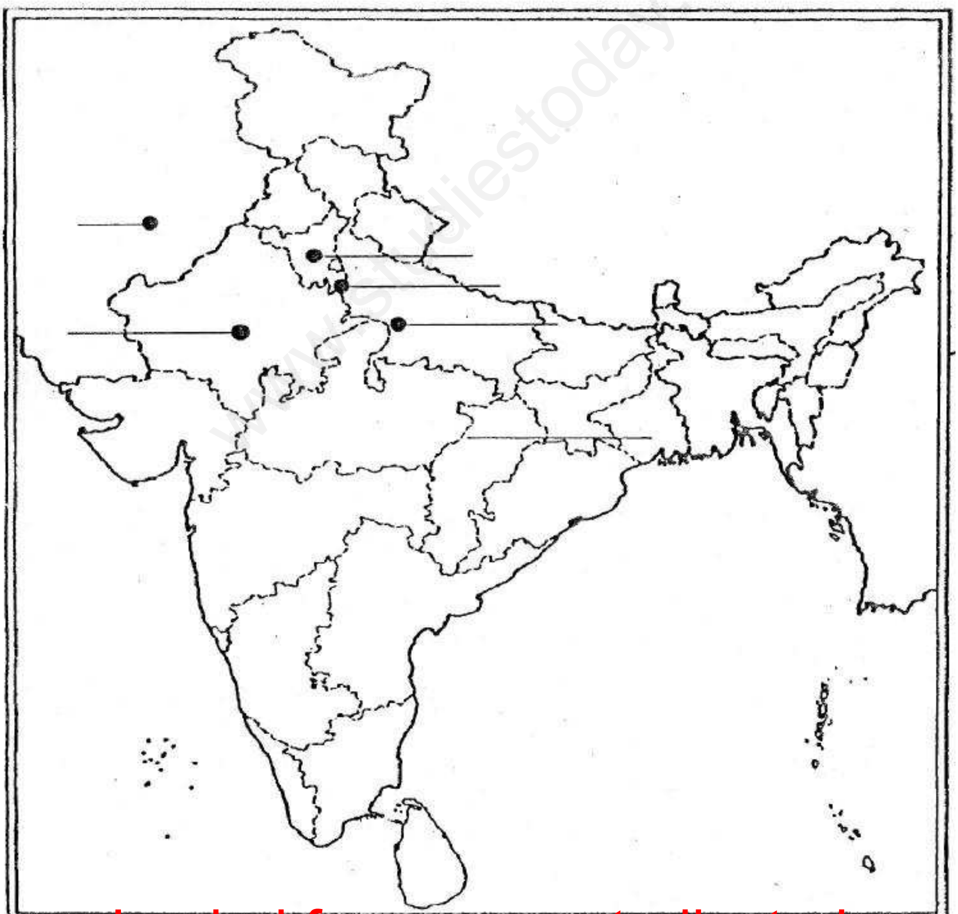

Downloaded from www.studiestoday.com